13. बंदर गया खेत में भाग

बंदर गया खेत में भाग,
चुट्टर-मुट्टर तोड़ा साग।

आग जलाकर चट्टर-मट्टर,
साग पकाया खद्दर-बद्दर।

सापड़-सूपड़ खाया खूब,
पोंछा मुँह उखाड़कर दूब।

चलनी बिछा, ओढ़कर सूप,
डटकर सोए बंदर भूप।

© NCERT not to be republished

क्या बिछाया, क्या ओढ़ा?

बंदर चलनी बिछाकर, सूप ओढ़कर सो गया।
लिखो, ये कैसे सोएँगे?

	क्या बिछाएँगे?	क्या ओढ़ेंगे?
हाथी :	....	....
चींटी :	....	....
गिलहरी :	....	....
शेर :	....	....

मेरे लिए भी तो कुछ सोचो
मैं क्या ओढ़ूँ ? क्या बिछाऊँ ?

झटपट झटपट, खटपट खटपट

साग पकाया ....खद्दर बद्दर..........
खाया सबने ....
पानी पिया ....
मारे खर्राटे ....
गिरे पलंग से ....

© NCERT not to be republished

भागो, भागो, भागो!!

बंदर खेत से साग तोड़कर भागा। कौन–कौन से काम करने के बाद तुम्हें भागना पड़ता है?

....

....

....

....

....

इसमें कितनी तरह की टोपियाँ और पगड़ियाँ हैं? बताओ।

© NCERT not to be republished